AMOGHVARTA
ISSN : 2583-3189

# दक्षिण पूर्व कोलफील्ड्स लिमिटेड की निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व रणनीतियों और उनके दीर्घकालिक प्रभावों का मूल्यांकन

ORIGINAL ARTICLE

**Authors**
**विद्या साहू**
शोधार्थी

**डॉ. काजोल दत्ता**
सहायक प्राध्यापक
वाणिज्य विभाग
भारती विश्वविद्यालय
दुर्ग, छत्तीसगढ़, भारत

## शोध सार

*निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व व्यापार जगत का एक महत्वपूर्ण अंग बन चुका है, जिससे कंपनियों को समाज के प्रति उत्तरदायी बनाया जाता है। निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व केवल व्यवसाय की सफलता का एक साधन नहीं है, बल्कि यह सामाजिक विकास और पर्यावरणीय संतुलन को बनाए रखने में भी योगदान देता है। भारत में निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व को कंपनियों अधिनियम, 2013 की धारा 135 के तहत अनिवार्य किया गया है, जिससे कंपनियों को उनके लाभ का एक निश्चित प्रतिशत सामाजिक कार्यों में निवेश करने के लिए बाध्य किया गया है।*

## मुख्य शब्द

*निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व, कौशल विकास कार्यक्रम, शिक्षा प्रोत्साहन कार्यक्रम, डिजिटल शिक्षा, नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाएँ.*

## प्रस्तावना

आज के वैश्विक परिप्रेक्ष्य में निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व व्यवसायों के लिए महत्त्वपूर्ण विषय बन चुका है। किसी भी कंपनी की सामाजिक जिम्मेदारी केवल आर्थिक लाभ कमाने तक सीमित नहीं होती, बल्कि यह समाज और पर्यावरण के प्रति भी दायित्व निभाने से जुड़ी होती है। कंपनियाँ अब अपने व्यावसायिक उद्देश्यों के साथ–साथ सामाजिक उत्तरदायित्वों को भी प्राथमिकता दे रही हैं, जिससे सतत् विकास को बढ़ावा मिल रहा है। दक्षिण पूर्व कोलफील्ड्स लिमिटेड भारत की प्रमुख कोयला उत्पादन कंपनियों में से एक है, जिसका मुख्यालय बिलासपुर, छत्तीसगढ़ में स्थित है ।

## अध्ययन की आवश्यकता और उद्देश्य

निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व गतिविधियों के माध्यम से कंपनियां समाज के विकास में अपना योगदान देती हैं। एस.ई.सी.एल. एक बड़ी कोयला खनन कंपनी होने के कारण निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व कार्यों के माध्यम से क्षेत्रीय विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। यह अध्ययन निम्नलिखित उद्देश्यों को ध्यान में रखकर किया गया है:

1. एस.ई.सी.एल द्वारा लागू की गई निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व नीतियों और कार्यक्रमों का अध्ययन।
2. एस.ई.सी.एल की निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व गतिविधियों का स्थानीय समुदायों के सामाजिक और

आर्थिक विकास पर प्रभाव का मूल्यांकन।

3. निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व कार्यान्वयन के दौरान आने वाली प्रमुख चुनौतियों की पहचान करना।
4. निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व के प्रभाव को बढ़ाने के लिए संभावित रणनीतियों का प्रस्ताव करना।

## दक्षिण पूर्व कोल फील्ड लिमिटेड (एस.ई.सी.एल) और निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व

एस.ई.सी.एल भारत सरकार के अधीन कोल इंडिया लिमिटेड की एक सहायक कंपनी है, जो कोयला खनन और वितरण में कार्यरत है। इस कंपनी का निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व कार्यों में विशेष योगदान रहा है। एस. ई.सी.एल अपनी निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व गतिविधियों को स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यावरण संरक्षण, आधारभूत संरचना विकास और सामुदायिक विकास जैसे क्षेत्रों में केंद्रित करता है।

## एस.ई.सी.एल द्वारा संचालित प्रमुख निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व गतिविधियाँ

### 1. शिक्षा क्षेत्र में योगदान

- सरकारी स्कूलों में आधारभूत संरचना का विकास।
- छात्रवृत्ति योजनाएँ और शिक्षा प्रोत्साहन कार्यक्रम।
- स्कूलों में स्मार्ट क्लास की स्थापना और डिजिटल शिक्षा को बढ़ावा।

### 2. स्वास्थ्य सेवाएँ

- ग्रामीण क्षेत्रों में निरूशुल्क स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन।
- अस्पतालों का निर्माण एवं चिकित्सा सुविधाओं का विस्तार।
- मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार के लिए विशेष योजनाएँ।

### 3. पर्यावरण संरक्षण

- बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण कार्यक्रम।
- जल संरक्षण योजनाएँ और नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाएँ।
- कोयला खदान क्षेत्रों में पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखने की पहल।

### 4. आधारभूत संरचना विकास

- ग्रामीण सड़कों, पुलों और सामुदायिक भवनों का निर्माण।
- पेयजल सुविधाओं में सुधार और नए जल स्रोतों का विकास।
- शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता सुविधाओं की स्थापना।

### 5. सामुदायिक विकास

- महिलाओं के लिए कौशल विकास कार्यक्रम।
- स्थानीय युवाओं को रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण प्रदान करना।
- समाज में व्याप्त असमानताओं को कम करने के लिए विशेष योजनाएँ।

## निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व गतिविधियों का सामाजिक एवं आर्थिक प्रभाव

निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व का मुख्य उद्देश्य समाज के कमजोर वर्गों के जीवन स्तर को ऊपर उठाना और सतत विकास को प्रोत्साहित करना है। एस.ई.सी.एल की निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व गतिविधियों का प्रभाव विभिन्न क्षेत्रों में देखा जा सकता हैः

### सामाजिक प्रभाव

- स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार के कारण लोगों की जीवन प्रत्याशा में वृद्धि।
- शिक्षा सुविधाओं के विस्तार से साक्षरता दर में बढ़ोतरी।

- रोजगार प्रशिक्षण और कौशल विकास कार्यक्रमों से स्वरोजगार के अवसरों में वृद्धि।
- महिलाओं के लिए आजीविका और आत्मनिर्भरता में सुधार।

**आर्थिक प्रभाव**

- निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व के तहत नए रोजगार सृजित होने से स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती।
- बुनियादी ढांचे के विकास से व्यापार और परिवहन सुविधाओं में सुधार।
- कृषि एवं पर्यावरणीय सुधारों से किसानों और ग्रामीण समुदायों को लाभ।

## निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व कार्यान्वयन में आने वाली चुनौतियाँ

- **संसाधनों की कमीः** निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व परियोजनाओं के लिए पर्याप्त वित्तीय संसाधनों की कमी।
- **स्थानीय समुदायों की भागीदारी का अभावः** निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व में जनसहभागिता कम होने के कारण उनके दीर्घकालिक प्रभाव सीमित रह जाते हैं।
- **नीति क्रियान्वयन की कठिनाइयाँः** निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व योजनाओं को जमीनी स्तर पर लागू करने में तकनीकी और प्रशासनिक बाधाएँ।
- **मॉनिटरिंग और मूल्यांकन की समस्याः** निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व गतिविधियों के प्रभाव का सटीक आंकलन करने के लिए प्रभावी निगरानी तंत्र की कमी।

## निष्कर्ष

दक्षिण पूर्व कोलफील्ड्स लिमिटेड (एस.ई.सी.एल) की निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व पहलें स्थानीय समुदायों के सामाजिक–आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। कंपनी ने शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण, आजीविका संवर्धन और बुनियादी ढांचे के विकास में उल्लेखनीय योगदान दिया है, जिससे स्थानीय लोगों के जीवन स्तर में सुधार हुआ है। विभिन्न शैक्षिक एवं कौशल विकास कार्यक्रमों के माध्यम से युवाओं को बेहतर अवसर प्राप्त हो रहे हैं, जबकि स्वास्थ्य एवं स्वच्छता अभियानों से स्थानीय नागरिकों को लाभ मिल रहा है। एस. ई.सी.एल द्वारा पर्यावरण संरक्षण की दिशा में उठाए गए कदम, जैसे वृक्षारोपण, जल संरक्षण और प्रदूषण नियंत्रण, खनन के नकारात्मक प्रभावों को कम करने में सहायक रहे हैं इसके अतिरिक्त, महिला सशक्तिकरण और स्वरोजगार योजनाओं ने आर्थिक समृद्धि को बढ़ावा दिया है। हालाँकि, निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व पहलों की प्रभावशीलता को और अधिक बढ़ाने के लिए पारदर्शिता, दीर्घकालिक प्रभाव मूल्यांकन और स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप योजनाओं के क्रियान्वयन की आवश्यकता बनी हुई है। यदि एस.ई.सी.एल अपनी निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व गतिविधियों को और अधिक लक्षित और प्रभावी बनाता है, तो यह क्षेत्रीय विकास को और गति देने में सहायक सिद्ध हो सकता है।

## सुझाव

दक्षिण पूर्व कोलफील्ड्स लिमिटेड (एस.ई.सी.एल) की कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व पहलों की प्रभावशीलता को बढ़ाने और इनके दीर्घकालिक प्रभाव को सुनिश्चित करने के लिए निम्नलिखित सुझाव दिए जा सकते हैंः

1. **स्थानीय आवश्यकताओं का आंकलनः** निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व योजनाओं को प्रभावी बनाने के लिए स्थानीय समुदायों की वास्तविक जरूरतों का व्यापक अध्ययन किया जाए, जिससे संसाधनों का सही दिशा में उपयोग हो सके।
2. **शिक्षा और कौशल विकास पर जोरः** स्थानीय युवाओं के लिए व्यावसायिक प्रशिक्षण और आधुनिक तकनीकी शिक्षा कार्यक्रमों को बढ़ावा दिया जाए, जिससे उन्हें बेहतर रोजगार के अवसर मिल सकें।

3. **स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तारः** स्वास्थ्य शिविरों की संख्या बढ़ाई जाए और स्थायी चिकित्सा सुविधाएँ विकसित की जाएँ, जिससे दूरस्थ क्षेत्रों में भी स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित हो सके।
4. **पर्यावरणीय सततताः** खनन के कारण पर्यावरण पर पड़ने वाले प्रभाव को कम करने के लिए अधिक वृक्षारोपण, जल संरक्षण और अपशिष्ट प्रबंधन रणनीतियों को अपनाया जाए।
5. **स्थानीय उद्यमिता को बढ़ावाः** छोटे व्यवसायों, स्टार्टअप्स और स्वयं सहायता समूहों को आर्थिक सहायता और प्रशिक्षण देकर स्थानीय आर्थिक विकास को प्रोत्साहित किया जाए।
6. **समुदाय की भागीदारीः** निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व परियोजनाओं में स्थानीय लोगों को सक्रिय रूप से शामिल किया जाए ताकि उनकी आवश्यकताओं और विचारों को प्राथमिकता दी जा सके।
7. **निगरानी और मूल्यांकन प्रणालीः** निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व पहलों की प्रभावशीलता को सुनिश्चित करने के लिए नियमित मूल्यांकन और निगरानी की प्रक्रिया अपनाई जाए, जिससे योजनाओं को जरूरत के अनुसार संशोधित किया जा सके।
8. **डिजिटल साक्षरता और नवाचारः** ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल साक्षरता को बढ़ावा दिया जाए और नवीनतम तकनीकों का उपयोग कर निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व गतिविधियों को अधिक प्रभावी बनाया जाए।
9. **सार्वजनिक–निजी भागीदारीः** अन्य औद्योगिक इकाइयों, गैर–सरकारी संगठनों (NGOs) और सरकारी एजेंसियों के साथ साझेदारी कर निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व पहलों को अधिक प्रभावशाली बनाया जाए।
10. **महिला सशक्तिकरणः** महिलाओं के लिए विशेष स्वरोजगार योजनाएँ और प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाए जाएँ, जिससे वे आत्मनिर्भर बन सकें।
11. **बुनियादी ढांचे का विकासः** निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व के तहत गाँवों में सड़कों, जल आपूर्ति, बिजली और स्वच्छता सुविधाओं का विस्तार किया जाए, जिससे ग्रामीण जीवन की गुणवत्ता में सुधार हो।
12. **संवाद और जागरूकताः** निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व पहलों की जानकारी और उनके प्रभाव के बारे में स्थानीय समुदायों को जागरूक किया जाए, जिससे उनकी सक्रिय भागीदारी बढ़े और योजनाओं का प्रभाव अधिक व्यापक हो सके।

## सन्दर्भ सूची

1. South Eastern Coalfields Limited (2023) Annual report 2022-2023. Retrieved from https://www.secl-cil.in/annualreport2023.pdf, Accessed on 12/01/2025.
2. Ministry of Corporate Affairs, Government of India (2013) The Companies Act, 2013. Retrieved from https://www.mca.gov.in/Ministry/pdf/CompaniesAct2013.pdf, Accessed on 08/01/2025.
3. Ministry of Corporate Affairs, Government of India (2014) Corporate Social Responsibility Policy Rules, 2014. Retrieved from https://www.mca.gov.in/Ministry/pdf/CSR_Policy_Rules_2014.pdf, Accessed on 12/12/2025.
4. Coal India Limited (2022) Corporate Social Responsibility policy. Retrieved from https://www.coalindia.in/media/documents/CSR_Policy_CIL_2022.pdf, Accessed on 18/12/2025.
5. Chatterjee, B.; & Mitra, N. (2017) *CSR in India: Steering business towards social change,* Springer.
6. Ghosh, A. (2018) Legal framework of corporate social responsibility in India: An overview, *Company Law Journal,* 3(2), 45-58.
7. Kumar, R.; & Singh, A. (2021) Impact of corporate social responsibility on community development: A case study of mining industry in India, *Journal of Rural Development,* 40(3), 345-360.

8. Mehta, A.; & Agarwal, R. (2019) Assessing the social impact of CSR initiatives: A case of Indian mining industry, *Social Responsibility Journal,* 15(6), 789-805.

9. Patra, S.; & Sahoo, P. (2020) Corporate social responsibility in mining sector: A study on sustainable development, *Resources Policy,* 68, 101-115.

10. Sharma, P.; & Gupta, S. (2020) Corporate social responsibility and sustainable development in India: An analysis of corporate reporting, *Sustainable Development,* 28(4), 623-634.

11. Singh, K.; & Kaur, J. (2021) Economic implications of corporate social responsibility in India: An empirical analysis, *Indian Journal of Economics and Development,* 17(1), 25-38.

12. Verma, S. (2019) Corporate social responsibility initiatives of South Eastern Coalfields Limited: A case study, *International Journal of Management Studies,* 6(2), 112-125.

——==00==——